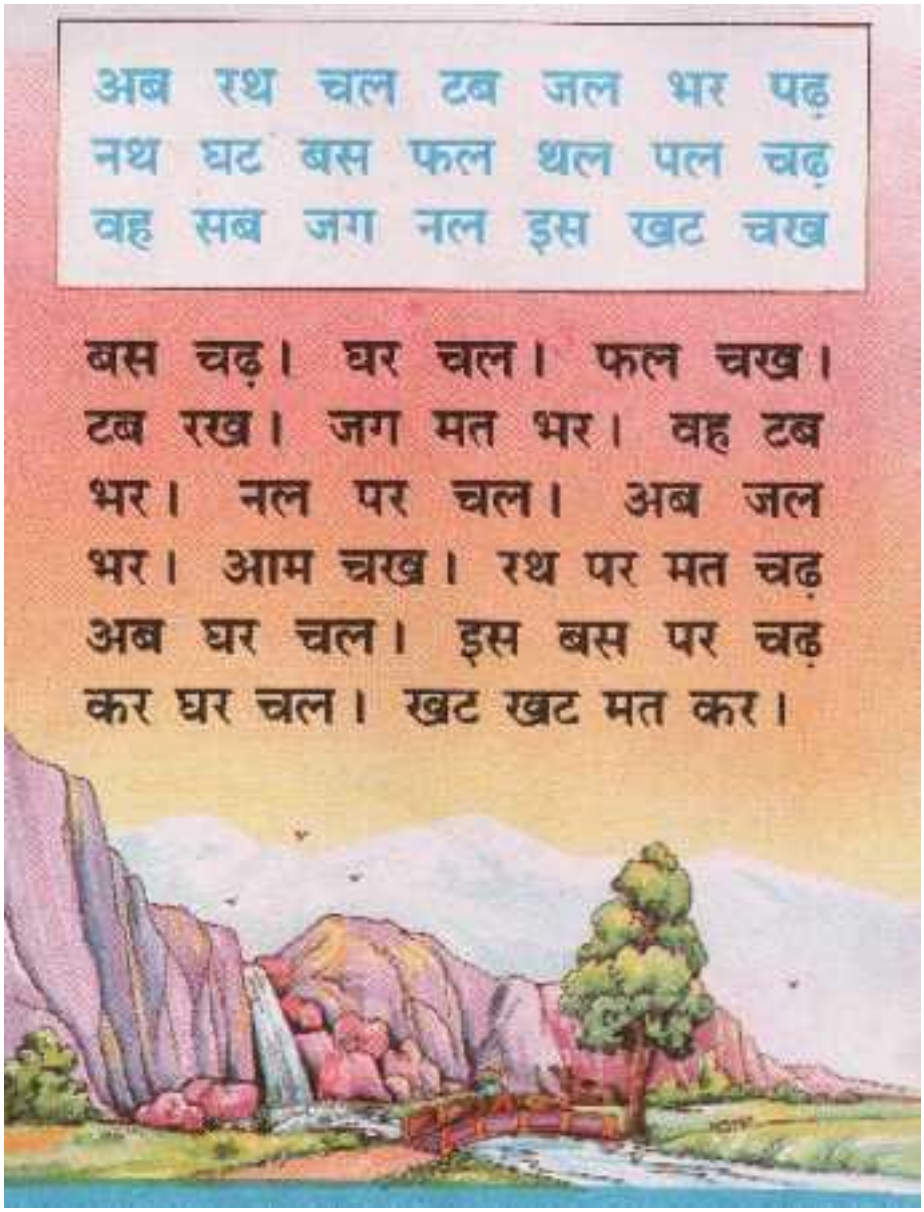
अब रथ चल टब जल भर पढ़
नथ घट बस फल थल पल चढ़
वह सब जग नल इस खट चख
बस चढ़। घर चल। फल चख।
टब रख। जग मत भर। वह टब
भर। नल पर चल। अब जल
भर। आम चख। रथ पर मत चढ़
अब घर चल। इस बस पर चढ़
कर घर चल। खट खट मत कर।

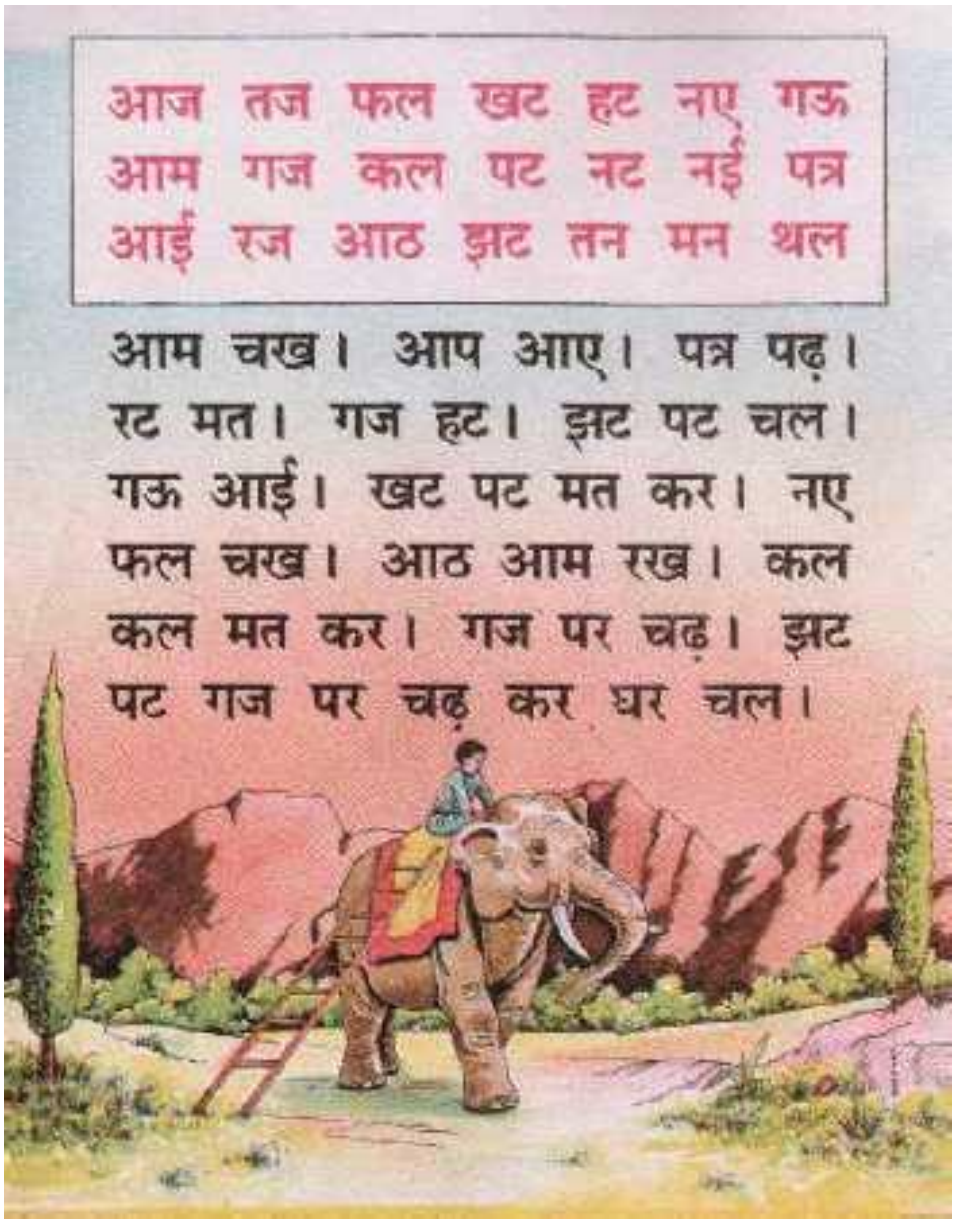
आज तज फल खट हट नए गऊ
आम गज कल पट नट नई पत्र
आई रज आठ झट तन मन थल
आम चख। आप आए। पत्र पढ़।
रट मत। गज हट। झट पट चल।
गऊ आई। खट पट मत कर। नए
फल चख। आठ आम रख। कल
कल मत कर। गज पर चढ़। झट
पट गज पर चढ़ कर घर चल।

नहर मचल कमल शहद मटर
कलम सफर नरम इधर उधर
बटन महल पकड़ आदत सफल
शहद चख बतख पकड़ नकल मत कर
कलम इधर रख समझ कर पढ़
इधर उधर मत भाग बटन बन्द कर

बिना मात्रा के शब्द

शहर मटर कलश नमक शलगम अजगर बरतन बचपन गरदन कसरत
पहन चमक पवन महल गगन बटन पतझड़ अनपढ़ खटमल गड़बड

शबनम पनघट पर चल । अकबर कसरत कर । रमन गड़बड़ मत कर । अहमद
शरबत चख । कमल उठ कर पत्र पढ़ । रमन महल तक चल ।

आ " ा " की मात्रा के शब्द

जाल लाल राजा पाठ काला बादल आकार पागल नाटक समाज कमला
बाजार गाजर वनवास बलवान पाठशाला आसमान भगवान खानदान रामबाण

राजा आया । राम अपना पाठ याद कर । कमला खाना गरम कर । माधव
पाठशाला चल । कल आसमान साफ था । कमल बाजार जा कर गाजर ला ।

इ " ि " की मात्रा के शब्द

दिन शनि कवि चिड़िया किरन विजय विकास सितार रविवार पिता विशाल
किताब गिरगिट चिराग विशाल शिकार विनाश हिरण शनिवार

किरन हिरण पकड़ ।विजय कलम ला ।विकास सितार बजा । कल रविवार था।
माता पिता का आदर कर ।विशाल किसमिस मत खा।किताब पढ़।

akhlesh.com

ई " ी " की मात्रा के शब्द

दादी गीत नानी शीशा पानी साड़ी धरती कहानी पीतल शीतल दीपक मकड़ी दीपाली अलमारी नीला महावीर पीपल असली लकड़ी सरकारी

रीना अपना पाठ याद कर । गीता पाठशाला चल। सीता बाज़ार जा। दादी लाल नीली साड़ी लायी। सीता सबकी लाडली थी । रीना दीवाली पर आयी थी ।

उ " ु " की मात्रा के शब्द

पुल बुन पुत्र तुम मनु पशु साबुन मधुर बुढ़िया कुसुम गुलाब सुनार दुकान हलुआ सुमन गुड़िया बुलबुल चुटकुला गुजरात फुटबाल मुसाफिर

कुसुम गुलाब लगा । सुनार की दुकान पर चल । अतुल हलुआ खा । सुमन अपनी गुड़िया उठा । अब खुशी खुशी घर चल । बुआ आई ।

ऊ " ू " की मात्रा के शब्द

चूहा रामू फूल मीनू पूजा झूला खून लूट आशू भालू झूम डूबा सूरज खजूर कसूर मूरत सूरत चूरन मजदूर तरबूज कबूतर राजदूत सूरदास

रामू फूल लाया । मीनू पूजा कर । आशू तरबूज लाया । रामू तरबूज खा । मीनू भालू आया । भालू झूम झूम कर नाचा । सूरज डूबा । मजदूर घर चला गया ।

akhlesh.com

ऋ " ृ " की मात्रा के शब्द

वृक्ष गृह कृपा कृषि घृणा कृषक कृतज्ञ पृथक अमृत मातृभक्त मृगछाला

ए " े " की मात्रा के शब्द

नये सेब शेर पेट रेल पेड आये केला मेला सहेली करेला सफेद रमेश उसके सबने गाने गाये सुरेश कपड़े सवेरा मेहमान मलेशिया परेशान मेहनत

रमेश के साथी उसके घर आये । सबने मिलकर गाने गाये । सुरेश नये कपड़े पहन। सेब खरीद के ला । सवेरा हुआ । रमेश सीधे अपने घर जा।

ऐ " ै " की मात्रा के शब्द

बैल सैर कैद शैली थैला मैला सैनिक हैरान मैदान वैशाली तैरने भैया मैदान कैलाश पैदल शैतान हैदराबाद बैलगाड़ी फैजाबाद नैनीताल

कैलाश पैदल सैर करने चल । शैली की बहन वैशाली तैरने जा रही है ।मेरे भैया का नाम कैलाश है । भैरव मैदान मे घूम कर आ । कैलाश थैला उठा कर ला ।

akhlesh.com

ओ " ो " की मात्रा के शब्द

मोर चोर बोल तोल मोटा होली शोर गोला रोटी मोती छोरी कोयल लोमड़ी
मोहन सोहन आओ नाचो गाओ ढोल लड़ो झगड़ो सबको लगाओ खरगोश दोपहर

होली का दिन है । गली गली में शोर मचा है । मोहन सोहन आओ । नाचो गाओ ढोल बजाओ । किसी के साथ लड़ो झगड़ो नहीं । सबको गले लगाओ ।

औ " ौ " की मात्रा के शब्द

फौज कौआ सौदा गौरी मौसी कौन दौड़ा कौशल नौकर गौरव कचौरी
तौलिया खिलौना कौशल्या औजार औलाद बिछौना सौदागर चौकीदार

कौशल ने नौकर को बुलाया । नौकर दौड़ा दौड़ा आया । गौरव और सौरभ ने कचौरी खाई । कौशल तौलिया ला । कौशल्या अपना खिलौना ला ।

अं " ं " या " ँ " की मात्रा के शब्द

डंक कंस अंधा घंटी गंगा शंकर पतंग बसंत मंदिर मंगलवार मंदिर बंगाल
माँ बाँस मुँह डाँटो चाँद हँसते आँगन बाँसुरी साँवरा आँचल आँवला

शंकर पतंग मत उड़ा। मंगलवार के दिन मंदिर में जा। गंगाराम की बंगाली मिठाई ला।
हँसते रहो । डाँटो मत । माँ का मुँह चाँद सा सुंदर है। आँगन में बाँसुरी बजा ।

akhlesh.com